डॉक्टर अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के तेरहवें दीक्षांत समारोह में गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 34 मेधावियों को दिए मेडल

मेधावियों को मिले मेडल, सपनों ने भरी उड़ान

एनबीटी, लखनऊ : कंधे पर डॉ. कलाम के कोट्स लिखे अंगवस्त्र, हाथों में चमचमाता मेडल और आखों में सफलता की उड़ान भरने के सपने...। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के 13वें दीक्षांत समारोह के मौके पर शनिवार को मेधावी इसी अंदाज में नजर आए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने मंच पर 34 स्टूडेंट्स को मेडल और डिग्री देकर सम्मानित किया। समारोह में लगभग एक हजार स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गईं। इसके अलावा वरिष्ठ वैज्ञानिक एएस किरण राव को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुलाधिपति राम नाईक, प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री एफएम किदवई और वीसी प्रो. विनय पाठक मौजूद रहे।

एक हजार को मिली डिग्रियां, कॉलेजों के छात्रों को अलग से मिले मेडल

वरिष्ठ वैज्ञानिक एएस किरण राव को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

मेडल लेने वाले आधे स्टूडेंट नदारद

समारोह में 62 स्टूडेंट्स को मेडल दिए जाने थे, लेकिन आधे स्टूडेंट कार्यक्रम में शामिल ही नहीं हुए। समारोह में कुल 21 गोल्ड मेडल दिए जाने थे। इनमें केवल 13 स्टूडेंट ही मेडल लेने के लिए आए। सिल्वर मेडल 21 स्टूडेंट को दिए जाने थे, लेकिन केवल 14 ने मेडल लिए। ब्रॉन्ज मेडल लेने वाले स्टूडेंट की संख्या सबसे कम थी। समारोह में कुल 20 स्टूडेंट्स को ब्रॉन्ज मेडल दिए जाने थे, लेकिन सात स्टूडेंट ही मेडल लेने के लिए आए। दीक्षांत समारोह में 34 स्कॉलर्स को गवर्नर ने पीएचडी की उपाधि दी। इस बार से पांच गवर्नमेंट कॉलेजों के लिए शुरू किए गए 15 मेडल लेने सिर्फ चार स्टूडेंट ही पहुंचे।

इंटर कॉलेज के स्टूडेंट्स को भी बुलाया

दीक्षांत समारोह में ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के स्टूडेंट्स को भी आमंत्रित किया गया था। इन छात्रों ने कभी दीक्षांत समारोह नहीं देखा था। स्टूडेंट्स ने शिक्षकों से यह समारोह देखने की इच्छा जाहिर की थी। ऐसे में एकेटीयू ने ऐसे सभी छात्रों को समारोह में शामिल होने का मौका दिया।

कुलाधिपति ने कहा, एक घंटा लेट हुआ समारोह

समारोह नौ बजे से शुरू होना था, लेकिन यह अपने तय समय से आधा घंटा लेट शुरू हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि गृह मंत्री राजनाथ सिंह के बोलने के लिए 15 मिनट निर्धारित थे, लेकिन वह आधा घंटा बोले। ऐसे में जब आखिर में कुलाधिपति के बोलने का समय आया तो समारोह तय समय से एक घंटा लेट हो चुका था। इस पर उन्होंने कहा कि प्रोग्राम का मिनट-टु-मिनट प्रोग्राम बनाया जाता है, लेकिन उसके अनुसार कार्य नहीं होता। प्रोग्राम में मुझे 10:40 बजे बोलना था जबकि 11:46 पर मुझे बुलाया गया।

गोल्ड मेडलिस्ट बोले, पूरी करनी है सपनों की उड़ान

मेरा आईईटी से कैंपस सेलेक्शन हुआ है। एक साथ पांच कंपनियों के कॉल लेटर आए। वर्तमान में मैं इंडियन ऑयल में ऐविएशन ऑफिसर पद पर कार्य कर रहा हूं। साथ ही आईईएस की तैयारी भी कर रहा हूं। - यतेंद्र कुमार शर्मा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग

मैं पर्यावरण में फैले प्रदूषण को कम करने के लिए रिसर्च करना चाहती हूं। क्योंकि इस क्षेत्र में काम करने की बहुत जरूरत है। मेरा लक्ष्य है कि पीएचडी कर अकेडमिक्स में अपना करियर बनाऊं। - श्वेता त्रिपाठी, बीटेक इन बॉयोटेक्नॉलजी

मैं एचबीटीआई से एमटेक कर रही हूं। आईईएस की तैयारी भी चल रही है। इंजीनियरिंग सेवा में जाना ही मेरा लक्ष्य है। मेरी इस कामयाबी में मेरे पिता रफाकत हुसैन का काफी योगदान रहा। उन्हीं की प्रेरणा से मैं यहां तक पहुंच सकी। - तहजीब जहरा, सिविल इंजीनियरिंग

मैं बैंकिंग सेक्टर में करियर बनाना चाहती हूं। क्योंकि मुझे ये क्षेत्र ही ऐसा लगता है, जहां रिजर्वेशन का प्रभाव कम है। बाकी हर जगह रिजर्वेशन की मार है। मेरे पिता एक केबल ऑपरेटर हैं। उन्होंने हमेशा मुझे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। - प्रियंका अवस्थी, एमबीए

मैं पीएचडी की तैयारी कर रही हूं। भविष्य में इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती हूं। मेरी नजर में महिलाओं पर बढ़ रहे उत्पीड़न के लिए लोगों जागरूक करने की जरूरत है। शिक्षक बन कर मैं यह कार्य बेहतर कर सकती हूं। - प्रियंका गुप्ता, टेक्सटाइल टेक्नॉलजी

मैं मुंबई के होटल में जॉब कर रहा हूं। इसी सेक्टर में आगे करियर बनाने की योजना है। स्टूडेंट्स का अगर बेसिक कॉन्सेप्ट क्लीयर हो तो आसानी से कामयाबी मिल सकती है। - उजैर अशफाक, बीएचएम

मैं आईएएस ऑफिसर बनना चाहती हूं। वर्तमान में मैं जॉब करने के साथ ही तैयारी भी कर रही हूं। मैंने आईटी से बीटेक किया है। मेरा मानना है कि टेक्नॉलजी के सही उपयोग की जरूरत है। - प्रियंशा तिवारी, आईटी

तीन साल में लागू होगा ई-गवर्नेंस : राजनाथ

एनबीटी, लखनऊ : गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल टेक्नॉलजी का दखल बढ़ गया है। सभी के पास स्मार्टफोन है। टेक्नॉलजी के बिना ई-गवर्नेंस नहीं चल सकता है, इसलिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि आने वाले तीन साल में हम पूरी तरह ई-गवर्नेंस लागू कर देंगे। टेक्नॉलजी के जहां फायदे हैं, वहीं साइबर क्राइम जैसा खतरा भी है। ऐसे में हमें सतर्क भी रहना होगा।

एकेटीयू के स्टूडेंट्स से गृह मंत्री ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने की जरूरत है, क्योंकि सिर्फ भारत में ही यह गुण है। हम देश को सुपर पावर बनाने के हक में नहीं हैं, क्योंकि हमें दहशत नहीं फैलानी है। एक फ्रांसीसी लेखक ने भी लिखा है कि विश्व में जो भी ज्ञान है, वह गंगा के किनारों से आया है यानी भारत से।

अलकायदा बनाम इन्फोसिस

गृह मंत्री ने कहा कि मैंने एक लेख पढ़ा था जिसका शीर्षक था 'अलकायदा बनाम इन्फोसिस'। इसमें था कि दोनों ही जगह टैलंटेड युवा हैं और दोनों ही पूरी तरह कमिटेड हैं। इनकी पहचान वर्ल्ड लेवल पर है, लेकिन फर्क यह है कि एक विनाशकारी है, दूसरा लाभकारी। हमें इसी पर विचार करने की जरूरत है कि कैसे इन युवाओं की सोच बदल जाती है।

कुलाधिपति राम नाईक ने कहा कि भारत की महिलाएं सशक्त हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण दीक्षांत ही है। जहां लड़कियों को लड़कों से ज्यादा मेडल मिल रहे हैं। प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री फरीद महफूज किदवई ने कहा कि हमने गो ग्रीन मिशन शुरू किया है, इसमें सभी शिक्षण संस्थाओं को 25 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादन के निर्देश दिए गए हैं। इससे पर्यावरण को काफी फायदा होगा। दीक्षांत की ड्रेस बदलने पर काफी खुशी है। पहली ड्रेस में कोई कमी नहीं थी, लेकिन वह लिबास किसी और का दिया हुआ था।

जब कहा, अब मुझे चुप हो जाना चाहिए

दीक्षांत समारोह में राजनाथ सिंह के बोलने के लिए प्रोग्राम में 15 मिनट निर्धारित थे, लेकिन वे आधे घंटे तक बोलते रहे। इसके बाद अचानक स्पीकर में दिक्कत आई और वह बंद हो गया। इस पर राजनाथ सिंह ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं काफी बोल चुका हूं। शायद मुझे अब बंद कर देना चाहिए।

टीईटी पास करने पर मिलेगी कॉलेज में जॉब

एनबीटी, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) अब टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) कराने जा रहा है। यह टेस्ट अप्रैल माह में आयोजित किया जाएगा। इस टेस्ट के माध्यम से एकेटीयू से संबद्ध 700 सौ से अधिक कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। वीसी प्रो. विनय पाठक ने बताया कि कॉलेजों में शिक्षकों की गुणवत्ता पर अक्सर सवाल उठाए जाते हैं, इसलिए ये टेस्ट कराया जा रहा है जिससे टीचर्स की स्क्रीनिंग हो सके।

एकेटीयू कुलपति ने की घोषणा, अप्रैल में होगा एग्जाम

दीक्षांत समारोह के दौरान वीसी ने बताया कि यूनिवर्सिटी में अगले सेशन से चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम लागू किया जाएगा। सीबीसीएस लागू होने के बाद से स्टूडेंट दूसरी फैकल्टी के विषय भी पढ़ सकेंगे। प्रो. पाठक ने बताया कि स्टूडेंट्स को बेहतर प्लेसमेंट और उद्योगों को उनकी जरूरत के मुताबिक कैंडिडेट्स देने के लिए भी एकेटीयू ने एक योजना तैयार की है। इसके तहत यूनिवर्सिटी और विभिन्न औद्योगिक घरानों के बीच पूल बनाया जाएगा। यूनिवर्सिटी ने इसके लिए एकेडमिक काउंसिल में इंडस्ट्री के लोगों को सदस्यता देने पर भी मंजूरी दे दी है, जिससे इंडस्ट्री की जरूरत के मुताबिक कोर्स बनाया जा सके। साथ ही स्टूडेंट्स को बेहतर रोजगार देने के लिए विभिन्न कंपनी जैसे माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, टाटा कंसल्टेंसी की सेवाएं लेने पर भी बात चल रही है।

'पापा के लिए खोजूंगा खेती की नई तकनीक'

एनबीटी, लखनऊ : अगर मन में दृढ़ संकल्प हो तो हर मंजिल पाई जा सकती है। एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में शनिवार को जब सुमित कुमार को गोल्ड मेडल मिला तो उनकी जुबां से यही अल्फाज निकले। सुमित बुलंदशहर के गांव लखोई के रहने वाला है। उन्होंने बी.टेक (एग्रीकल्चर) में टॉप किया। पिता अनिल सिंह किसान हैं इसलिए सुमित ने एग्रिकल्चर ट्रेड से ही बीटेक करने का निर्णय लिया। सुमित का कहना है कि मैं एमटेक करके एग्रिकल्चर में ही रिसर्च करूंगा, जिससे अपने पिता के लिए फसलों की नई तकनीक खोज सकूं। कम मेहनत में ज्यादा उपज कैसे हो इस पर मैं अपने पिता के लिए शोध करूंगा। सुमित ने एग्रीकल्चर ब्रांच में 81% अंक के साथ एकेटीयू में टॉप किया है।

एकेटीयू में किसान के बेटे ने किया एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में टॉप

नहीं मिला सरकारी कॉलेज तो लिया लोन

सुमित की तरह उनके पिता अनिल सिंह का ने भी बेटे को इंजीनियर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अनिल सिंह के मुताबिक उनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। यूपीएसईई में रैंक कम होने से बेटे को सरकारी कॉलेज नहीं मिला। निजी कॉलेजों की फीस देने के लिए पैसे नहीं थे। इसके बाद भी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा और लोन लेकर बेटे का एडमिशन निजी कॉलेज में कराया।

वर्तमान में एकेटीयू का कैंपस इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नॉलजी के कैंपस में ही है। यूनिवर्सिटी का अपना कैंपस सीतापुर रोड पर 180 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा है। प्रो. विनय पाठक ने बताया कि जुलाई 2016 से यूनिवर्सिटी अपने नए कैंपस में होगी। यूनिवर्सिटी का 32 एकड़ का कैंपस लगभग तैयार हो चुका है। नया अकेडमिक सेशन इसी कैंपस से शुरू किया जाएगा। नए सेशन से संस्थाओं के सहयोग से शिक्षकों की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए लगभग 60 फैकल्टी प्रोग्राम भी बनाए गए हैं।